अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा नीतियों का अवलोकन

Brijesh Kumar Bankoti[1], Dr. Digar Singh Farswan[2*] and Dr. Kalpana Patani Lakhera[3]

[1] Research Scholar School of Education, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital, Uttarakhand, India

[2] Associate Professor, School of Education, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital, Uttarakhand, India

[3] Assistant Professor, School of Education, Uttarakhand Open University, Haldwani, Nainital, Uttarakhand, India

Correspondence Author: Dr. Digar Singh Farswan

Received 20 Mar 2023; Accepted 29 Apr 2023; Published 9 May 2023

सारांश

दूरस्थ शिक्षा (Distance education), शिक्षा की वह प्रणाली है जिसमें शिक्षक तथा शिक्षु को स्थान-विशेष अथवा समय-विशेष पर मौजूद होने की आवश्यकता नहीं होती। यह प्रणाली, अध्यापन तथा शिक्षण के तौर-तरीकों तथा समय निर्धारण के साथ-साथ गुणवत्ता संबंधी अपेक्षाओं से समझौता किए बिना प्रवेश मानदंडों के संबंध में भी उदार होता है। भारत की मुक्त तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाएं तथा विश्वविद्यालय शामिल है तथा इसमें दोहरी पद्धति के परंपरागत विश्वविद्यालयों के पत्राचार पाठयक्रम संस्थान भी शामिल हैं। यह प्रणाली, सतत शिक्षा, सेवारत कार्मिकों के क्षमता-उन्नयन तथा शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में रहने वाले शिक्षुओं के लिए गुणवत्तामूलक व तर्कसंगत शिक्षा के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में उभरी है, जो उन व्यक्तियों को सीखने के लचीले अवसर प्रदान करती है जो पारंपरिक ऑन-कैंपस शिक्षा तक पहुँचने में असमर्थ हैं। इस शोध पत्र का उद्देश्य दुनिया भर में लागू मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों का अवलोकन प्रदान करना है। यह समान और समावेशी शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा देने में नीतिगत ढांचे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा से जुड़े प्रमुख सिद्धांतों, रणनीतियों और चुनौतियों की पड़ताल करता है। विभिन्न देशों द्वारा अपनाए गए विविध दृष्टिकोणो का विश्लेषण करके मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पर नीतिगत निर्णयों के संभावित प्रभाव में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। परिचय तकनीकी सुधारों और लचीले शिक्षण विकल्पों की मांग के परिणामस्वरूप, शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा उत्तरोत्तर महत्वपूर्ण होती जा रही है।

मूलशब्द: दूरस्थ शिक्षा, मुक्त शिक्षा, मुक्त विश्वविद्यालय, पत्राचार पाठयक्रम, अवलोकन एवं शिक्षा नीतियाँ

परिचय

दूरस्थ शिक्षा शब्द से ही स्पष्ट है कि दूर से ही स्थान पर प्रदत्त शिक्षा। दूरस्थ शिक्षा से तात्पर्य ऐसे गैर प्रचलित और अपरम्परागत शिक्षा के मानकों पर एक प्रश्न चिन्ह लगाते हुये इनसे अलग विशेषताओं को धारण करने वाली शिक्षा से है। दूरस्थ शिक्षा विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले तथा विविध भौगोलिक क्षेत्रों में बिखरे अधिगमकर्ताओं की एक बड़ी संख्या को उनकी रुचि और सुविधा के अनुकूल ज्ञान, कौशल व अभिवृत्ति प्रदान करने का एक माध्यम है। यह शिक्षा में एक नवाचार है। इस उपागम में परम्परागत शिक्षा की मौखिक अनुदेशन की विधियों का प्रयोग कदाचित किया जाता है। इसमें उच्च कोटि की अधिगम सामग्री के निर्माण, उत्पादन तथा सम्प्रेषण में तकनीकी एवं संचार माध्यमों का समुचित रूप से व्यापक उपयोग किया जाता है। "मुक्त शिक्षा" शब्द का अर्थ शैक्षिक सामग्री को छात्रों के लिए खुले तौर पर सुलभ बनाने के विचार और पद्धति को संदर्भित करता है ताकि वे अपनी गति से ज्ञान तक पहुंच सकें और उसके साथ बातचीत कर सकें। दूसरी ओर, दूरस्थ शिक्षा उन छात्रों को शिक्षा प्रदान करने पर जोर देती है जो विभिन्न संचार और शिक्षण तकनीकों का उपयोग करते हुए शारीरिक रूप से शैक्षिक संस्थान से दूर हैं। आजीवन सीखने की आवश्यकता, दूरस्थ स्थानों में शिक्षा की आवश्यकता, पारंपरिक शिक्षा की बढ़ती लागत और डिजिटल प्रौद्योगिकी की बढ़ती पहुंच जैसे कई कारणों ने मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के विस्तार में योगदान दिया है। नतीजतन, शैक्षणिक संस्थानों और निर्णयकर्ताओं ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और समुदायों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए खुली और दूरस्थ शिक्षा की क्षमता को महसूस किया है। दूरस्थ शिक्षा में मुद्रित एवं अमुद्रित बहुमाध्यमों का प्रयोग शिक्षक एवं छात्र के बीच संचार माध्यम के रूप में किया जाता है। दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा की ऐसी प्रणाली है, जो सामाजिक एवं सांस्कृतिक पर्यावरण से सुसम्बद्ध है। इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों का विकास इस दिशा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विकास है। इस शिक्षा ने सम्प्रेषण की नई विधियों को जन्म दिया।

अध्ययन का उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्देश्य दुनिया भर में उपयोग की जा रही मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों का व्यापक विश्लेषण है। यह शोध विभिन्न राष्ट्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीति और नीतियों का विश्लेषण करके मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों के निर्माण और उपयोग में महत्वपूर्ण अवधारणाओं, कठिनाइयों और कारकों को इंगित करने का इरादा रखता है। शोध का उद्देश्य यह जांचना है कि कैसे नीतिगत विकल्प मुक्त और दूरस्थ शिक्षा की पहुंच, गुणवत्ता और समानता को प्रभावित करते हैं।

अनुसंधान प्रश्न

अध्ययन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निम्नलिखित शोध प्रश्नों को संबोधित किया जाएगा|

1. मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों के अंतर्गत कौन से मूलभूत विचार हैं?
2. विभिन्न राष्ट्रों में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों के ढाँचे क्या हैं, और उन्हें कैसे लागू किया जाता है?
3. मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों के कार्यान्वयन से खोजे गए सर्वोत्तम अभ्यास और सबक क्या हैं?
4. भविष्य की खुली और दूरस्थ शिक्षा नीतियों के निर्माण के लिए इन निष्कर्षों के क्या परिणाम हैं?

दूरस्थ शिक्षा की परिभाषा और कार्यक्षेत्र

खुली शिक्षा निर्देश की एक अवधारणा और पद्धति है जो शैक्षिक संसाधनों, उपकरणों और विधियों के मुक्त और खुले आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करती है। यह शिक्षा में खुलेपन, सहयोग और पारदर्शिता के विचारों पर जोर देता है। खुले शैक्षिक संसाधनों (ओईआर) का उपयोग, जो सार्वजनिक रूप से सुलभ हैं और छात्रों और शिक्षकों द्वारा उपयोग, संपादित और साझा किया जा सकता है, को खुली शिक्षा द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। मुक्त शिक्षा शैक्षिक अवसर बढ़ाने, आजीवन सीखने को बढ़ावा देने और निर्देश और सीखने के अत्याधुनिक तरीकों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। दूरस्थ शिक्षा उन छात्रों को निर्देश प्रदान करती है जो शैक्षणिक संस्थान से भौगोलिक रूप से दूर हैं। यह छात्रों और शिक्षकों के बीच भौगोलिक अंतर को कम करने के लिए विभिन्न प्रकार के संचार चौनलों और शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। दूरस्थ शिक्षा समकालिक हो सकती है, जिसमें छात्र और शिक्षक वास्तविक समय में संवाद करते हैं, जिसमें छात्र पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुँचते हैं और अपने अवकाश पर गतिविधियों में संलग्न होते हैं। सीखने की सुविधा के लिए यह अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, टेली कॉन्फ्रेंसिंग और मल्टीमीडिया संसाधनों का उपयोग करता है। डिजिटल और ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से होने वाला औपचारिक शैक्षणिक कार्यक्रम हाइब्रिड लर्निंग के रूप में भी जाना जाता हैद्य मिश्रित शिक्षा ऑनलाइन शिक्षण तत्वों के साथ व्यक्तिगत शिक्षा को मिलाती है। यह एक लचीली रणनीति है जो ऑनलाइन सीखने की गतिविधियों को पारंपरिक कक्षा–आधारित निर्देश के साथ जोड़ती है। मिश्रित शिक्षा के साथ व्यक्तिगत मुलाकातों, सहकारी समूह परियोजनाओं और स्वतंत्र ऑनलाइन शिक्षण का संयोजन संभव है। पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुँचना, बातचीत में भाग लेना, असाइनमेंट पूरा करना और मल्टीमीडिया टूल का उपयोग करना ऑनलाइन घटकों के कुछ उदाहरण हैं।

मुक्त एवं दूरस्थ का महत्त्व

पारंपरिक कक्षा शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षण द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुकूलन क्षमता और व्यक्तिगत सीखने के अवसर दोनों के लाभ मिश्रित शिक्षा में संयुक्त हैं। शैक्षिक स्तरों, पाठ्यक्रमों और छात्रों की एक विस्तृत श्रृंखला खुली और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कवर की जाती है। इसका उपयोग कक्षाओं, कॉलेजों और संस्थानों के साथ–साथ आकस्मिक और गैर–औपचारिक सीखने की स्थितियों सहित आधिकारिक शिक्षण वातावरण में किया जा सकता है। जिन शिक्षार्थियों को पारंपरिक शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि भौगोलिक प्रतिबंध, समय की पाबंदी, वित्तीय सीमा, या व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, मुक्त और दूरस्थ शिक्षा से लाभ प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। यह लोगों को शिक्षा प्राप्त करने, अपने ज्ञान में सुधार करने, पेशेवर विकास के लिए और आजीवन सीखने में भाग लेने का मौका देता है।

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों को लागू करने की रणनीतियाँ

पाठ्यक्रम परिवर्द्धन

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के सिद्धांतों का पालन करने वाले उपयुक्त पाठ्यक्रम का निर्माण मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीति के लिए प्राथमिक कार्यान्वयन तकनीकों में से एक है। इसमें लचीले, मॉड्यूलर पाठ्यक्रम बनाने की आवश्यकता है जो विभिन्न शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सकते हैं। पहुंच और सामर्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए, पाठ्यक्रम डिजाइन को खुले शैक्षिक संसाधनों (ओईआर) और डिजिटल शिक्षण सामग्री के उपयोग को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इसमें गतिशील और दिलचस्प सीखने के अभ्यास शामिल होने चाहिए जो इंटरनेट टूल और प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। शैक्षिक मांगों को विकसित करने के लिए इसकी प्रयोज्यता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम की भी निरंतर समीक्षा और अद्यतन किया जाना चाहिए।

प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण और सहायता

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण और समर्थन आवश्यक है। ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा को सफलतापूर्वक सुगम बनाने के लिए, शिक्षकों को आवश्यक जानकारी, योग्यताएं और शैक्षणिक दृष्टिकोण प्रदान किए जाने चाहिए। प्रशिक्षण पहलों को शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों, ऑनलाइन शिक्षण तकनीकों और शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करने और ऑनलाइन समर्थन करने की रणनीतियों के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान देना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाली खुली और दूरस्थ शिक्षा देने के लिए शिक्षकों की अपनी क्षमताओं में सुधार के लिए चल रहे व्यावसायिक विकास के अवसरों और सहायक संरचनाओं तक पहुंच होनी चाहिए।

आकलन और मूल्यांकन

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में सीखने के परिणामों की गुणवत्ता और वैधता की गारंटी के लिए, उचित मूल्यांकन और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को विकसित करना महत्वपूर्ण है। रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन का एक संयोजन जो सीखने के उद्देश्यों के अनुरूप है और ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा की विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन प्रक्रियाओं में विचार किया जाना चाहिए। शिक्षार्थी की प्रगति और प्रदर्शन को मापने के लिए, ऑनलाइन परीक्षण, गृहकार्य, परियोजनाओं और वाद–विवाद सहित प्रौद्योगिकी–सक्षम आकलन का उपयोग किया जाना चाहिए। मूल्यांकन की निष्पक्षता, प्रामाणिकता और निर्भरता की गारंटी देना आवश्यक है, और छात्रों को समय पर प्रतिक्रिया देने के लिए फीडबैक सिस्टम होना चाहिए जो रचनात्मक हो।

सहयोग और भागीदारी

खुले और दूरस्थ शिक्षा नियमों को व्यवहार में लाने के लिए साझेदारी और सहयोग आवश्यक रणनीति हैं। शैक्षिक संस्थानों, नीति निर्माताओं, व्यावसायिक खिलाड़ियों और सामुदायिक संगठनों के बीच सहयोग के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं, संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करने को प्रोत्साहित किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं, सामग्री निर्माताओं और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग के माध्यम से मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रयासों की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार किया जा सकता है। सहयोग के परिणामस्वरूप सहयोगी कार्यक्रम, क्रेडिट ट्रांसफर अनुबंध, और पूर्व शिक्षा की स्वीकृति, छात्रों को अधिक लचीले शैक्षिक विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने में भी परिणाम हो सकता है। इन तकनीकों को व्यवहार में लाकर, शैक्षिक संस्थान और नीति निर्माता यह गारंटी दे सकते हैं कि मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, छात्रों के सीखने के अनुभव में सुधार किया जाए और समावेशी और समान शैक्षिक संभावनाओं का समर्थन किया जाए।

विभिन्न राष्ट्रों में दूरस्थ और मुक्त शिक्षण नीतियों का अवलोकन

अमेरिका

संघीय, राज्य और मान्यता प्रणाली कानून, साथ ही अन्य कारक, संयुक्त राज्य अमेरिका में खुली और दूरस्थ शिक्षा नीति को प्रभावित करते हैं। दूरस्थ शिक्षा के संस्थानों के लिए एक स्वीकृत प्रमाणित निकाय दूरस्थ शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए संघीय वित्तीय सहायता पात्रता के लिए विनियम और मानदंड यू.एस. शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान किए गए हैं। उच्च शिक्षा अवसर अधिनियम, जो अनिवार्य करता है कि स्कूल कर्मचारियों और छात्रों के बीच नियमित और सार्थक जुड़ाव बनाए रखें, दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन और जवाबदेही पर जोर देता है। बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है क्योंकि अधिक स्कूल कौरसेरा और एडएक्स जैसी साइटों के माध्यम से अपने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को सभी छात्रों के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराते हैं।

यूनाइटेड किंगडम

मुक्त विश्वविद्यालय ने यूनाइटेड किंगडम में खुले और दूरस्थ शिक्षा नियमों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। दूरस्थ शिक्षा में अग्रणी है और इसने पूरे देश में नीतिगत निर्णयों को आकार दिया है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए, उच्च शिक्षा के लिए गुणवत्ता आश्वासन एजेंसी मानदंड स्थापित करती है और गुणवत्ता मूल्यांकन करती है। ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के लिए सर्वोत्तम अभ्यास और सिफारिशें यूके ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग क्वालिटी काउंसिल द्वारा प्रदान की जाती हैं। ओपन यूनिवर्सिटी ने ओपनलर्न प्लेटफॉर्म की स्थापना की, जो अन्य संगठनों के साथ साझेदारी में शैक्षिक सामग्री तक मुफ्त पहुंच प्रदान करता है।

कनाडा

कनाडा में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों पर संघीय और प्रांतीय सरकारें संयुक्त रूप से निर्णय लेती हैं। विश्वविद्यालयों का एक समूह जो ऑनलाइन पाठ्यक्रम और कार्यक्रम प्रदान करता है, उसे कैनेडियन वर्चुअल यूनिवर्सिटी के रूप में जाना जाता है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता और मानकों की गारंटी प्रांतीय गुणवत्ता आश्वासन संगठनों द्वारा दी जाती है, जिसमें ओंटारियो यूनिवर्सिटी काउंसिल ऑन क्वालिटी एश्योरेंस शामिल है। संस्था, एक शीर्ष कनाडाई मुक्त संस्थान द्वारा कई ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं प्रदान की जाती हैं। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए राष्ट्र संस्थान से संस्था सहयोग और सहयोग पर भी जोर देता है।

ऑस्ट्रेलिया

खुले और दूरस्थ शिक्षा उद्योग ऑस्ट्रेलिया में मजबूती से स्थापित हैं। तृतीयक शिक्षा गुणवत्ता और मानक एजेंसी द्वारा उच्च शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता, विशेष रूप से खुले और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती है। योग्यता की मान्यता और क्रेडिट के हस्तांतरण के लिए ऑस्ट्रेलियाई योग्यता फ्रेमवर्क द्वारा एक रूपरेखा प्रदान की जाती है। ओपन यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया कंसोर्टियम के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और डिग्री कार्यक्रमों का व्यापक चयन उपलब्ध है। इंटरनेट का उपयोग बढ़ाने और ऑनलाइन सीखने का समर्थन करने के लिए राष्ट्र ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क जैसे कार्यक्रमों को भी लागू किया है।

भारत

भारत का सबसे बड़ा मुक्त विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) है, जिसने मुक्त और ऑनलाइन शिक्षा नीतियों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चूंकि दूरस्थ शिक्षा परिषद को भंग कर दिया गया है, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अब दूरस्थ शिक्षा को विनियमित करने का प्रभारी है। खुले और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए यूजीसी ने गुणवत्ता नियंत्रण और छात्र सहायता सेवाओं पर ध्यान देने के साथ नियम और दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। विभिन्न माध्यमों से कई संस्थानों के ऑनलाइन संसाधनों और पाठ्यक्रमों तक पहुंचा जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियां ऐतिहासिक रूप से वंचित समूहों को उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं के साथ मदद करने के लिए हैं। दक्षिण अफ्रीकी योग्यता प्राधिकरण द्वारा योग्यता की मान्यता और क्रेडिट के हस्तांतरण के लिए एक रूपरेखा प्रदान की जाती है। उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण विभाग (डीएचईटी) खुली और दूरस्थ शिक्षा को नियंत्रित करने वाले कानूनों और नियमों की देखरेख का प्रभारी है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों वाला एक प्रसिद्ध मुक्त विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका विश्वविद्यालय है। राष्ट्र ने ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने पर भी जोर दिया है।

ब्राजिल

नीतियों और पहलों के माध्यम से ब्राजिल ने मुक्त और दूरस्थ शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए काम किया है। द ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्राज़ील दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करते हुए शैक्षिक संसाधनों तक खुली पहुँच को सक्षम करने के लिए विश्वविद्यालय सहयोग का समर्थन करता है। दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को उच्च शिक्षा कर्मियों के सुधार के लिए समन्वय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, जो गुणवत्ता आश्वासन का पर्यवेक्षण भी करता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम जैसी पहलों को लागू किया गया है।

निष्कर्ष

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में, प्रभावी मॉडल व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर सकते हैं और नीतिगत विकल्पों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। प्रभावी खुले और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के पाठों में निम्नलिखित शामिल हैं– मुक्त और दूरस्थ शिक्षा में छात्रों के लिए प्रभावी शिक्षार्थी सहायता सेवाओं तक पहुँच होना आवश्यक होता है। शिक्षार्थी की व्यस्तता और दृढ़ता को परामर्श सेवाएं, शैक्षणिक और तकनीकी सहायता, और संसाधनों और पुस्तकालयों तक पहुंच प्रदान करके सुधारा जा सकता है। डिजाइन एंगेजिंग और इंटरएक्टिव लर्निंग एक्सपीरियंस, आकर्षक और इंटरैक्टिव ऑनलाइन सीखने के अनुभवों को डिजाइन करने के लिए, अत्याधुनिक निर्देशात्मक पद्धतियों, मल्टीमीडिया सामग्रियों और इंटरैक्टिव लर्निंग गतिविधियों का उपयोग करके । सक्रिय जुड़ाव और ज्ञान निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए सहयोगी और परियोजना आधारित सीखने की रणनीतियों को शामिल किया जाना चाहिए। मुक्त शैक्षिक सामग्री का उपयोग मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। उच्च गुणवत्ता वाले सीखने के संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने और छात्रों के लिए कम खर्च करने के लिए ओईआर के उपयोग को बढ़ावा देना मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की महत्वपूर्ण विशेषता है। समुदाय और सहयोग को बढ़ावा देना, ऑनलाइन सीखने के माहौल में छात्रों को जुड़ने, एक साथ काम करने और समुदाय की भावना विकसित करने का मौका प्रदान कर शिक्षण अधिगम को प्रभावी बनाया जा सकता है। चर्चा बोर्ड, टीम प्रोजेक्ट, ऑनलाइन पेशेवर नेटवर्क और पीयर–टू–पीयर लर्निंग अभ्यास सभी इसमें मदद कर सकते हैं। निरंतर निगरानी और मूल्यांकन मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रयासों के परिणामों सकारात्मक प्रभाव डालता है। शैक्षिक प्रणालियाँ इन सर्वोत्तम प्रथाओं और नीतिगत सिफारिशों में प्राप्त पाठों को अपनाकर खुले और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों की क्षमता, उपयोगिता और प्रभावकारिता में सुधार कर सकती हैं। इस शोध में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा नीतियों की परिभाषाओं, कार्यक्षेत्र और मुख्य कार्यान्वयन तंत्रों की विस्तृत अध्ययन कियाद्य अध्ययन ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील सहित कई देशों के कानूनों और रीति–रिवाजों का अध्ययन कियाद्य परिणामों ने स्पष्ट नीतिगत ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया जो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को गुणवत्ता और समानता पर उच्च प्राथमिकता देता है। शैक्षिक संस्थानों, सरकारी संगठनों और औद्योगिक हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी के रूप में पहचाने जाने वाले सफल कार्यान्वयन के प्रमुख समर्थक इसमें शामिल किये गए। सफल नीतियों के आवश्यक तत्वों के रूप में, पर्याप्त तकनीकी अवसंरचना, शिक्षक तैयारी, शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ और गुणवत्ता आश्वासन पद्धतियों का मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के विकास तथा गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान होता हैद्य मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में खुले शैक्षिक संसाधनों का उपयोग करने, समुदाय और सहयोग को प्रोत्साहित करने, खुली शिक्षा परियोजनाओं की समीक्षा करने और आकर्षक और गतिशील सीखने के अनुभव प्रदान करने के मूल्य पर भी जोर दिया जाना चाहिएद्य

सुझाव

अध्ययन के निष्कर्षों से भविष्य की खुली और दूरस्थ शिक्षा नीति काफी प्रभावित हो सकती है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के नीति निर्माताओं, संचालकों तथा इससे सम्बंधित लोगों को इस क्षेत्र में

पहुंच, गुणवत्ता और इक्विटी पर जोर देने के साथ एक व्यापक नीतिगत ढांचा बनाने पर सकारात्मक रूप से विचार करना होगा जो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा की अनूठी विशेषताओं और चुनौतियों को पूरा करे। संसाधनों, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान–प्रदान करने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, कॉर्पोरेट कंपनियों और समुदाय–आधारित संगठनों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। ऑनलाइन सीखने का समर्थन करने के लिए आवश्यक तकनीकी बुनियादी ढांचे में निवेश किया जाना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों और शिक्षकों दोनों के पास भरोसेमंद इंटरनेट का उपयोग हो और पर्याप्त तकनीकी संसाधनों तक पहुंच हो। प्रशिक्षकों को प्रभावी ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के लिए आवश्यक जानकारी और शैक्षणिक तकनीकों से लैस करना, शिक्षक शिक्षा और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने का प्रयास आवश्यक होगा। शिक्षार्थी जुड़ाव और दृढ़ता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ प्रदान करना– जैसे शैक्षणिक और तकनीकी सहायता, परामर्श सेवाएँ, और संसाधनों और पुस्तकालयों तक पहुँच तथा सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाले सीखने के संसाधनों तक छात्रों की पहुंच बढ़ाने के लिए खुले शैक्षिक संसाधनों के विकास और उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए। शिक्षार्थियों को ऑनलाइन सीखने के वातावरण में समुदायों को शामिल करने, सहयोग करने और स्थापित करने का मौका दिया जाना चाहिए। निरंतर विकास और तर्कपूर्ण निर्णय लेने की सूचना देने के लिए, खुले और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के परिणामों की निगरानी और मूल्यांकन करना जैसे प्रयास निरंतर जारी रखना होगाद्य पहुंच को बढ़ावा देने, गुणवत्ता बढ़ाने और दुनिया भर के व्यक्तियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नीति निर्माता कुशल, खुले और दूरस्थ शिक्षा कानून बना सकते हैं जो इन परिणामों को ध्यान में रखते हैं।

विभिन्न राष्ट्रों से सीखे गए सर्वोत्तम अभ्यासों और सीखों के आधार पर खुली और दूरस्थ शिक्षा में सुधार के लिए निम्नलिखित नीतिगत सिफारिशें की जा सकती हैं–

1. संपूर्ण नीतिगत ढाँचा विकसित किया जाना चाहिए, जो खुले और दूरस्थ शिक्षा के विशिष्ट गुणों और कठिनाइयों को संबोधित करता है|
2. स्पष्ट नीतिगत ढाँचे को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नीतियों को पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षक तैयारी, शिक्षार्थी सहायता सेवाओं और मूल्यांकन के लिए मानकों को निर्धारित करना चाहिए|
3. पहुंच, गुणवत्ता और समानता पर प्राथमिकता देना चाहिए।
4. संसाधनों, ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी संगठनों, व्यावसायिक हितधारकों और सामुदायिक संगठनों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना। साझेदारी रचनात्मकता, प्रभावशीलता और सहकारी परियोजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण को प्रोत्साहित कर सकती है।
5. प्रौद्योगिकी अवसंरचना में निवेश को बढाकर एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी नींव के निर्माण और रखरखाव के लिए अलग से धन निर्धारित किया जाना चाहिए, जो ऑनलाइन सीखने की सुविधा प्रदान करेगा।
6. छात्रों और शिक्षकों के पास भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ–साथ पर्याप्त तकनीकी उपकरण और सहायता उपलब्ध होना चाहिए।
7. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए | गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली स्थापित करें जो खुले और दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों की निष्पक्षता और वैधता की गारंटी दे। गुणवत्ता और छात्र परिणामों को बनाए रखने के लिए, इसमें मान्यता प्रक्रियाएं, मूल्यांकन मानक और मूल्यांकन दिशा निर्देश शामिल हैं।
8. शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास का समर्थन आवश्यक होगा | शिक्षकों और शिक्षकों को संपूर्ण प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करें ताकि वे सफल ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के लिए आवश्यक शैक्षणिक रणनीतियाँ और कौशल प्राप्त कर सकें।
9. डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने और दिलचस्प ऑनलाइन सीखने के अनुभव बनाने में उनके कौशल में सुधार करने के लिए, निरंतर प्रशिक्षण और सलाह तथा मूल्यांकन पद्धति को मजबूती प्रदान किया जाना आवश्यक होगा |

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Farswan DS. Role of R-Learning in distance education: Problems and prospects in India. International Journal of Research in Social Sciences. 2019;9(4):920-928.
2. Anderson T, Dron J. Three Generations of Distance Education Pedagogy. International Review of Research in Open & Distance Learning, 2011, 12(3).
3. Garrison GR. Three Generations of Technological Innovation in Distance Education. Distance Education. 1985;6(2):235-241.
4. Singh FD. Role of ICT in Teacher Education. the Research Journal of Social Sciences, 2019, 10(4).
5. Gunawardena CN, McIsaac MS. Distance education. D. Jonassen (Ed.), Handbook for research on educational communications and technology, 2003, 355-396.
6. Singh FD. Importance of teaching skills for the teaching-learning process. The Research Journal of Social Sciences, 2019, 10(6).